संवहनीय भविष्य का निर्माण:

यूनियन बैंक की सीएसआर और सामाजिक पूंजी के प्रति **प्रतिबद्धता**

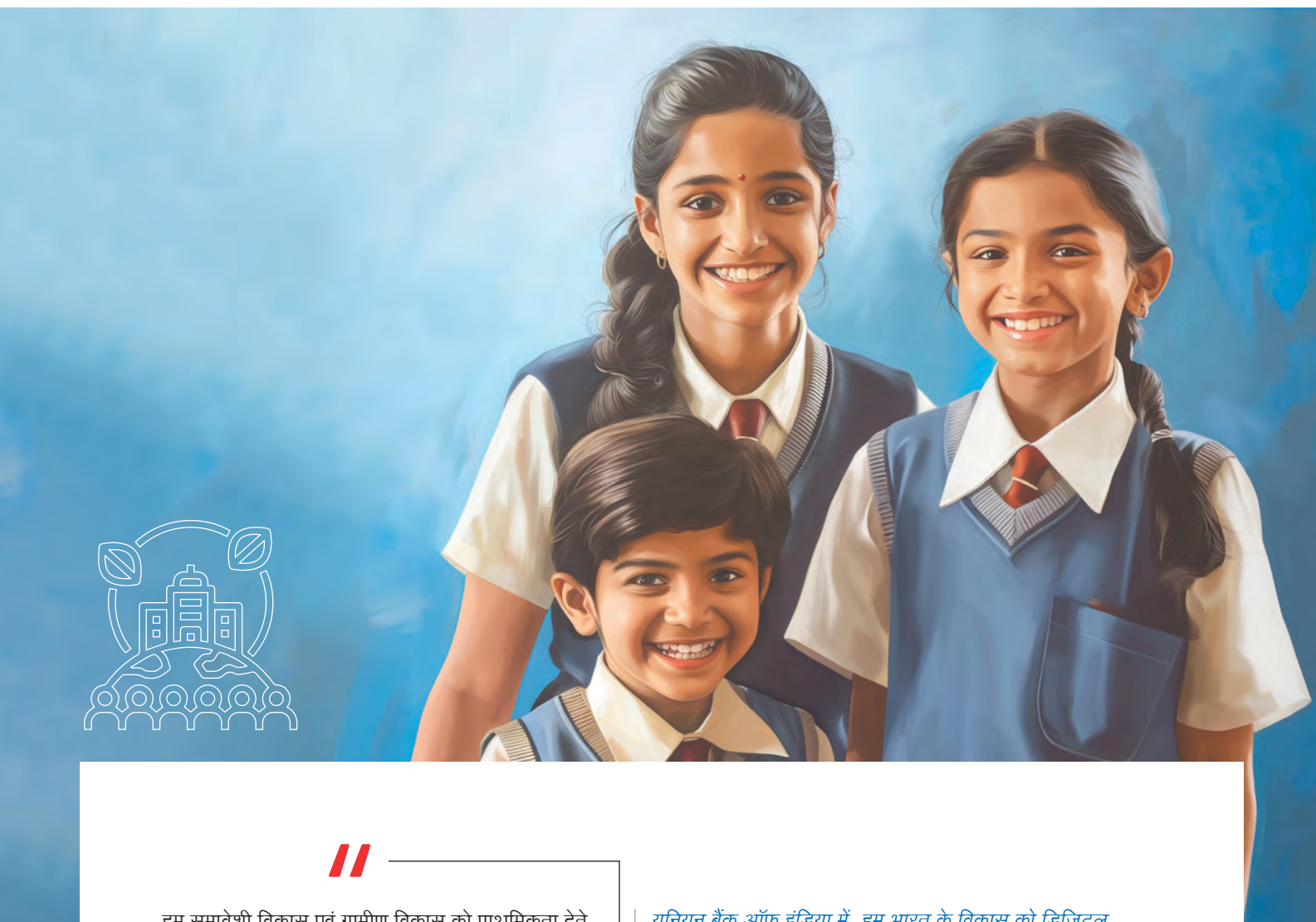

हम समावेशी विकास एवं ग्रामीण विकास को प्राथमिकता देते हैं, स्वास्थ्य सेवा, शिक्षा एवं आजीविका के अवसरों तक पहुँच के साथ उपांत समुदायों का उत्थान करते हैं, वित्तीय वर्ष 2024 में लगभग ₹481 करोड़ के ऋण के साथ 2.98 लाख से अधिक स्ट्रीट वेंडरों को सुविधा प्रदान की गई.

यूनियन बैंक ऑफ इंडिया में, हम भारत के विकास को डिजिटल, आकांक्षापूर्ण और पर्यावरण के प्रति जागरूक भविष्य की ओर ले जाने के लिए प्रतिबद्ध हैं. संवहनीयता, जिम्मेदार बैंकिंग एवं डिजिटल नवाचार के महत्व को स्वीकार करके, हमारा लक्ष्य भारत के शुद्ध-शून्य उत्सर्जन को प्राप्त करने के महत्वाकांक्षी लक्ष्य का समर्थन करते हुए अपने हितधारकों के लिए स्थायी मूल्य सृजन करना है. हमारी कार्यनीति हितधारकों के साथ गहन जुड़ाव, उनकी जरूरतों को समझने तथा उनकी अपेक्षाओं के साथ अपने कार्यों को संरेखित करने पर जोर देती है.

यूएनएसडीजी:

कार्यनीतिक स्तंभ:

2 3 4 5 6

कारोबार मॉडल कैनवास:

1 2 3 4 5 6 7 8 9

महत्वपूर्ण विषय

2, 5, 6, 7, 8, 9, 10, 11, 12, 13, 14, 18, 22, 23, 25, 26, 28, 30, 33, 34, 36, 38, 40, 42, 44

जीआरआई संरेखण

102, 103, 201, 203, 302, 304, 305, 401, 403, 404, 405, 413, 418

इस अध्याय में विस्तार से बताया गया है कि यूनियन बैंक ऑफ इंडिया अपनी सामाजिक एवं संबंध पूंजी का उपयोग संवहनीय भागीदारी विकसित करने, नवाचार को बढ़ावा देने तथा भारत की सामाजिक उन्नति में योगदान देने के लिए कैसे करता है. हम समावेशी विकास, ग्रामीण विकास एवं सरकारी पहलों के समर्थन को प्राथमिकता देते हैं. हमारे प्रयास उपांत समुदायों के उत्थान, स्वास्थ्य सेवा, शिक्षा एवं आजीविका के अवसरों तक पहुँच बढ़ाने और संवहनीय कृषि प्रथाओं को बढ़ावा देने के लिए समर्पित हैं.

यूनियन बैंक ऑफ इंडिया अपनी विभिन्न पहलों तथा कार्यक्रमों के माध्यम से सकारात्मक सामाजिक प्रभाव बनाने की अपनी प्रतिबद्धता में दृढ़ है. हम अपने हितधारकों को सशक्त बनाने के लिए निरंतर प्रयास करते हैं, यह सुनिश्चित करते हुए कि हमारा विकास व्यापक समुदाय हेतु लाभ में परिवर्तित हो.

हितधारक प्रकार	हम उनके साथ कैसे जुड़ते हैं	उनके लिए हमारी कार्यनीतिक प्राथमिकताएँ	यूनियन बैंक ऑफ इंडिया की प्रतिक्रिया
कर्मचारी	❖ सभी स्तरों पर निरंतर सहभागिता ❖ वरिष्ठ नेतृत्वकर्ताओं की अगुवाई में नियमित संचार बैठकें ❖ विचारों के आदान-प्रदान के लिए डिजिटल मंच ❖ सहभागिता सर्वेक्षण ❖ कार्यपालक नेतृत्वकर्ता संचार ❖ प्रशिक्षण एवं विकास कार्यक्रम ❖ कर्मचारी संसाधन समूह और विविधता परिषद ❖ कार्यनिष्पादन एवं कैरियर विकास पहल ❖ आंतरिक कॉर्पोरेट पोर्टल	❖ जोखिम और अनुपालन संस्कृति को बढ़ावा देना ❖ विकास एवं सीखने के अवसर प्रदान करना ❖ नवाचार को प्रोत्साहित करना	❖ योग्यता आधारित विकास एवं जॉब रोटेशन को कार्यान्वित करना ❖ युवा पेशेवरों को जिम्मेदारियां सौंपना ❖ नेतृत्वकर्ता और कैरियर गतिशीलता पहल ❖ कोविड टीकाकरण अभियान और आपातकालीन सहायता ❖ सहानुभूतिपूर्ण अवकाश नीतियां ❖ डिजिटल, कार्यात्मक और व्यवहारिक सीखने के अवसर प्रदान करना
ग्राहक	❖ शाखाओं में और फोन के माध्यम से कर्मचारियों के साथ बातचीत ❖ संरचित प्रतिक्रिया और संतुष्टि सर्वेक्षण ❖ केन्द्रित समूह ❖ शाखा-आधारित ग्राहक बैठकें ❖ बहुचैनल संचार और शिकायत समाधान ❖ सोशल मीडिया जुड़ाव ❖ ग्राहक सहायता हेल्पलाइन ❖ संस्था की वेबसाइट	❖ डिजिटल सुविधा बढ़ाना ❖ कर्मचारियों का कौशल और संवेदनशीलता/ उत्तरदायित्व सुनिश्चित करना ❖ प्रासंगिक डिजिटल उत्पाद और सेवाएं प्रदान करना ❖ अनुरोधों और शिकायतों का त्वरित समाधान	❖ ग्राहकों और बैंक दोनों के लिए निष्पक्ष व्यवहार को बढ़ावा देना ❖ डिजिटल उत्पादों की उचित-बिक्री ❖ डिजिटल दक्षता और त्वरित प्रतिक्रिया के साथ ग्राहक सेवा को बेहतर बनाना ❖ कर्मचारियों की डिजिटल दक्षता को बढ़ावा देना

हितधारक प्रकार	हम उनके साथ कैसे जुड़ते हैं	उनके लिए हमारी कार्यनीतिक प्राथमिकताएं	यूनियन बैंक ऑफ इंडिया की प्रतिक्रिया
विनियामक	❖ विनियामक निकायों और वरिष्ठ प्रबंधन के साथ नियमित बैठकें ❖ नीति मंचों और विनियामक-नेतृत्व वाले कार्यक्रमों में भागीदारी ❖ विनियामक और सरकारी मामलों की टीमों के माध्यम से संचार और बातचीत के विभिन्न रूप ❖ परीक्षाएं, सतत निगरानी और पर्यवेक्षी बैठकें	❖ ग्राहकों के साथ उचित व्यवहार और शिकायत समाधान सुनिश्चित करना ❖ धन-शोधन निवारक एवं धोखाधड़ी जोखिम प्रबंधन ❖ परिचालन जोखिम प्रबंधन, जिसमें आईटी और साइबर सुरक्षा जोखिम शामिल हैं	❖ विनियामक संचार के लिए समर्पित टीम ❖ विनियामक प्रतिक्रिया के लिए परिभाषित प्रक्रियाएं और डिजिटल प्रौद्योगिकी का उपयोग ❖ निरंतर सहभागिता और नीति इनपुट प्रावधान
शेयरधारक और संभावित निवेशक	❖ वार्षिक आम बैठकें और तिमाही आय अपडेट ❖ ईमेल, आवधिक बैठकें और कॉन्फ्रेंस कॉल ❖ निवेशक सम्मेलन, रोड शो और प्रस्तुतियाँ ❖ विश्लेषक दिवस कार्यक्रम ❖ निवेशक संबंध एवं शीर्ष प्रबंधन के साथ बैठकें ❖ विनियामक प्रकटीकरण ❖ समर्पित निवेशक संबंध पोर्टल	❖ शेयरधारक मूल्य सृजन ❖ मध्यम और दीर्घ-कालिक कार्यनीति ❖ अभिशासन और नैतिक व्यवहार ❖ अनुपालन ❖ पारदर्शिता	❖ निवेशकों के साथ नियमित डिजिटल सत्र ❖ तिमाही परिणाम कॉल के दौरान बेहतर संचार ❖ वार्षिक रिपोर्ट में विस्तृत वर्णनात्मक विश्लेषण एवं प्रकटीकरण ❖ बैंक की वेबसाइट पर ईएसजी पहल एवं उपलब्धियों को प्रकट किया गया
समाज	❖ समावेशी विकास के लिए यूनियन बैंक सोशल फाउंडेशन (यूबीएसएफटी) ❖ ग्रामीण विकास और सरकारी पहलों के लिए समर्थन ❖ समुदाय की आवश्यकताओं का आकलन ❖ वित्तीय साक्षरता एवं आउटरीच कार्यक्रम ❖ धर्मार्थ दान ❖ नागरिक संगठनों की सदस्यता ❖ स्वयंसेवी गतिविधियाँ और गैर-लाभकारी बोर्डों में भागीदारी ❖ संस्था की वेबसाइट	❖ सामाजिक विकास में योगदान ❖ वित्तीय साक्षरता और सेवा पहुंच बढ़ाना	❖ स्वैच्छिक सीएसआर पहल शुरू करना ❖ यूबीएसएफटी आजीविका, स्वास्थ्य अवसंरचना, सामाजिक और पर्यावरणीय परियोजनाओं पर केंद्रित है ❖ बैंकिंग क्षेत्र में कौशल विकसित करने के लिए उद्योग तथा शिक्षा जगत के बीच साझेदारी का निर्माण

जीआरआई

401, 404

कर्मचारियों के साथ स्थायी संबंध बनाना

यूनियन बैंक ऑफ इंडिया अपने कर्मचारियों के विकास, कल्याण और सहभागिता को प्राथमिकता देकर उनके साथ स्थायी संबंध बनाने के लिए प्रतिबद्ध है. हमारे दृष्टिकोण में कई प्रमुख पहल शामिल हैं ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि हमारे कर्मचारी मूल्यवान, समर्थित और सफलता के लिए तैयार महसूस करें.

वरिष्ठ नेतृत्वकर्ताओं के नेतृत्व में नियमित संप्रेषण बैठकें यह सुनिश्चित करती हैं कि संगठन के सभी स्तरों को अच्छी जानकारी हो और वे हमारे कार्यनीतिक लक्ष्यों के साथ संरेखित हों. हमने एकम मोबाइल ऐप भी कार्यान्वित किया है, जो कर्मचारियों के बीच विचारों को साझा करने की सुविधा देता है, जिससे उन्हें कार्यनिष्पादन समीक्षाओं तक पहुँचने और किसी भी समय, कहीं भी चर्चा में शामिल होने की अनुमति मिलती है. यह प्लेटफ़ॉर्म कर्मचारियों के बीच निरंतर जुड़ाव और सहयोग को प्रोत्साहित करता है.

एक मजबूत जोखिम और अनुपालन संस्कृति को बढ़ावा देने के लिए, हमने एचआर आपके द्वार पोर्टल और व्हिसल ब्लोअर नीति सहित विभिन्न कार्यक्रम तथा नीतियां शुरू की हैं, जो रिपोर्टिंग तथा चिंताओं का समाधान करने के लिए तंत्र प्रदान करती हैं. पेशेवर विकास के महत्व को पहचानते हुए, हम जॉब रोटेशन तथा कैरियर की गतिशीलता के लिए कई अवसर प्रदान करते हैं. हमारे प्रशिक्षण कार्यक्रमों में डिजिटल, कार्यात्मक और व्यवहारिक शिक्षण मॉड्यूल शामिल हैं जो निरंतर विकसित हो रहे उद्योग परिदृश्य में दक्षता एवं स्वीकार्यता को बढ़ाने के लिए तैयार किए गए हैं.

कर्मचारी की हित सर्वोच्च प्राथमिकता बना हुआ है. कोविड-19 महामारी के दौरान, हमने अपने कर्मचारियों की सहायता के लिए टीकाकरण अभियान चलाया और सहानुभूतिपूर्ण छुट्टी नीतियों को लागू किया. इसके अतिरिक्त, हमारा कर्मचारी सहायता कार्यक्रम (ईएपी) - यूनियन स्वर - कर्मचारियों तथा उनके आश्रितों को लाभान्वित करते हुए व्यापक शारीरिक एवं मानसिक कल्याण सहायता प्रदान करता है.

हमारा पुरस्कार और मान्यता (आर एंड आर) कार्यक्रम हमारे कर्मचारियों के प्रयासों एवं उपलब्धियों को मान्यता देता है और उनका जश्न मनाता है. यह कार्यक्रम डिजिटल साधन के माध्यम से सुगम बनाया गया है, जो उत्कृष्ट कार्यनिष्पादन को मान्यता देने में पारदर्शिता, लचीलापन और समावेशिता सुनिश्चित करता है.

असाधारण ग्राहक अनुभव प्रदान करना

यूनियन बैंक ऑफ इंडिया में, ग्राहकों को बेहतरीन अनुभव प्रदान करने की हमारी प्रतिबद्धता विभिन्न नवीन दृष्टिकोणों एवं सुदृढ़ प्रणालियों के माध्यम से प्रदर्शित होती है, जिन्हें हमारे ग्राहकों की उभरती जरूरतों को पूरा करने के लिए तैयार किया गया है. हमारी पहल ग्राहकों की जरूरतों को समझने, वैयक्तिक सेवा प्रदान करने तथा शिकायतों का कुशल समाधान सुनिश्चित करने पर केंद्रित है.

कर्मचारी से बातचीत और प्रतिक्रिया तंत्र: हम शाखाओं में प्रत्यक्ष बातचीत और फ़ोन कॉल के ज़रिए अपने ग्राहकों से सक्रिय रूप से जुड़ते हैं. संरचित प्रतिक्रिया सर्वेक्षण हमें अपनी सेवाओं को निरंतर बेहतर बनाने के लिए मूल्यवान ग्राहक अंतर्दृष्टि एकत्र करने में मदद करते हैं. ये सर्वेक्षण हमारी ग्राहक सेवा कार्यनीतियों को आकार देते हैं और विशिष्ट ज़रूरतों का समाधान करते हैं.

वैयक्तिक शाखा-आधारित बैठकें: हमारी शाखा-आधारित ग्राहक बैठकें व्यक्तिगत मार्गदर्शन प्रदान करती हैं, जिससे यह सुनिश्चित होता है कि प्रत्येक ग्राहक को अनुकूलित सलाह एवं समाधान मिले. यह दृष्टिकोण बैंक एवं उसके ग्राहकों के बीच गहरा संबंध तथा विश्वास बढ़ाता है.

शिकायत निवारण तंत्र में संवर्धन: हमने प्रत्येक स्तर पर भूमिकाओं एवं जिम्मेदारियों को स्पष्ट रूप से परिभाषित करके अपनी शिकायत निवारण प्रणाली को मजबूत किया है. यह प्रणाली ग्राहकों की शिकायतों का त्वरित एवं प्रभावी समाधान सुनिश्चित करती है. शिकायत निवारण नीति एक संरचित एस्केलेशन मेट्रिक्स और पूर्वनिर्धारित टर्नअराउंड समय (टीएटी) को रेखांकित करती है, जिससे यह सुनिश्चित होता है कि ग्राहकों के मुद्दों का कुशलतापूर्वक समाधान किया जाए.

शिकायत समाधान हेतु डिजिटल प्लेटफॉर्म का उपयोग: इस सुविधा को बढ़ाने के लिए, हम कुशल शिकायत समाधान हेतु डिजिटल प्लेटफ़ॉर्म का उपयोग करते हैं. हमारे यूनियन वर्चुअल कनेक्ट (यूविकॉन) - व्हाट्सएप बैंकिंग, और गूगल बिजनेस मैसेज (जीबीएम) प्लेटफ़ॉर्म ग्राहकों को शिकायत दर्ज करने और तत्काल सहायता प्राप्त करने की अनुमति देते हैं. यूविकॉन ने एक करोड़ से अधिक ग्राहक पूछताछ/अनुरोधों के संबंध में सेवा प्रदान की है, जबकि जीबीएम ने लगभग 1.6 लाख उपयोगकर्ताओं को जोड़ा है, जो बेहतर ग्राहक सेवा के लिए प्रौद्योगिकी का लाभ उठाने की हमारी प्रतिबद्धता को दर्शाता है.

"

यूनियन बैंक ऑफ इंडिया की असाधारण ग्राहक अनुभव के प्रति प्रतिबद्धता, नवीन दृष्टिकोणों और सुदृढ़ प्रणालियों के माध्यम से प्रदर्शित होती है, जो उभरती हुई जरूरतों को पूरा करने हेतु तैयार की गई हैं, जो वित्तीय वर्ष 2024 में निर्धारित समय सीमा के भीतर 99.8% ग्राहक शिकायतों का समाधान करती हैं.

जानें कि हम ग्राहक सेवा और संतुष्टि को कैसे बढ़ाते हैं.

जीआरआई

417

जीआरआई

103, 418

शिकायत निवारण तंत्र

यूनियन बैंक ऑफ इंडिया सुदृढ़ शिकायत निवारण तंत्र के माध्यम से ग्राहकों की शिकायतों के त्वरित एवं प्रभावी समाधान को प्राथमिकता देता है. यह तंत्र सभी स्तरों पर पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित करता है, जिससे ग्राहकों का विश्वास तथा संतुष्टि बढ़ती है.

स्पष्ट भूमिकाएं और जिम्मेदारियां: हमने संगठन के सभी स्तरों पर शिकायत समाधान के लिए स्पष्ट रूप से भूमिकाएं और जिम्मेदारियां परिभाषित की हैं. प्रत्येक शिकायत निवारण अधिकारी को ग्राहक मुद्दों का कुशलतापूर्वक संभालने के लिए विशिष्ट कर्तव्य सौंपे गए हैं.

मानक परिचालन प्रथाएँ: हमने प्रभावी शिकायत प्रबंधन के लिए मानक परिचालन अभ्यास (एसओपी) कार्यान्वित किए हैं. ये एसओपी प्रक्रिया को सुव्यवस्थित करते हैं, जिससे ग्राहक शिकायतों के समाधान में स्थिरता एवं दक्षता सुनिश्चित होती है.

संशोधित शिकायत निवारण नीति: हमारी संशोधित शिकायत निवारण नीति विभिन्न शिकायतों के लिए एक संरचित एस्केलेशन मेट्रिक्स और पूर्वनिर्धारित टर्नअराउंड समय (टीएटी) की रूपरेखा प्रस्तुत करती है. इस नीति का उद्देश्य मुद्दों के तत्काल एवं प्रभावी ढंग से समाधान हेतु स्पष्ट रूपरेखा प्रदान करके ग्राहक शिकायतों के मामलों को कम करना है.

शिकायत निवारण अधिकारियों की पहुंच: शिकायतों के त्वरित समाधान की सुविधा के लिए, हमने अपनी वेबसाइट पर शिकायत निवारण अधिकारियों (एफ़जीआरओ और आरजीआरओ) के संपर्क विवरण उपलब्ध कराए हैं. यह पारदर्शिता ग्राहकों को सीधे उपयुक्त अधिकारियों तक पहुंचने में मदद करती है, जिससे यह सुनिश्चित होता है कि उनकी समस्याओं का त्वरित समाधान किया जाता है.

शिकायत समाधान सांख्यिकी: वित्तीय वर्ष 2024 में, हमें 3,20,495 शिकायतें प्राप्त हुई और 3,14,691 शिकायतों का सफलतापूर्वक समाधान किया गया, जिनमें पिछले वर्ष की शिकायतें भी शामिल हैं. यह उच्च समाधान दर ग्राहकों की समस्याओं को कुशलतापूर्वक एवं प्रभावी ढंग से समाधान करने के लिए हमारी प्रतिबद्धता को दर्शाती है.

> हमारी शिकायत निवारण प्रणाली ग्राहकों की शिकायतों का त्वरित एवं प्रभावी समाधान सुनिश्चित करती है, जिससे विश्वास और संतुष्टि बढ़ती है, वित्तीय वर्ष 2024 में 3,14,691 शिकायतों का सफलतापूर्वक समाधान किया गया.

हमारी व्यापक शिकायत निवारण नीति और उसके प्रभाव के बारे में जानें.

जीआरआई

102, 201

शेयरधारकों और संभावित निवेशकों के लिए विश्वास और मूल्य सृजन को बढ़ावा देना

यूनियन बैंक ऑफ इंडिया में, हम अपने शेयरधारकों और संभावित निवेशकों के लिए विश्वास को बढ़ावा देने एवं मूल्य सृजन को प्राथमिकता देते हैं. हमारा निरंतर संप्रेषण, सुदृढ़ अभिशासन पद्धतियां और पारदर्शी प्रकटीकरण इस प्रतिबद्धता को दर्शाते हैं.

नियमित संप्रेषण: हम विभिन्न चैनलों के माध्यम से अपने शेयरधारकों के साथ निरंतर जुड़ाव सुनिश्चित करते हैं. इनमें वार्षिक आम बैठकें (एजीएम), ईमेल, आवधिक बैठकें, कॉन्फ्रेंस कॉल और निवेशक सम्मेलन शामिल हैं. वित्तीय वर्ष 2024 के दौरान, हमने अर्हता प्राप्त संस्थान स्थानन (क्यूआईपी) के तहत 79,88,58,141 इक्विटी शेयर भी रखे, जिससे ₹8,000 करोड़ की पर्याप्त राशि जुटाई गई, जो शेयरधारक जुड़ाव एवं पूंजीगत प्रबंधन के प्रति हमारे सक्रिय दृष्टिकोण को दर्शाता है.

शेयरधारक मूल्य सृजन पर ध्यान केंद्रित: हमारी कार्यनीतिक पहलों का उद्देश्य शेयरधारक मूल्य को बढ़ाना है. हम दीर्घ-कालिक कार्यनीति, सुदृढ़ अभिशासन, अनुपालन, पारदर्शिता एवं संवहनीयता पर बल देते हैं. वित्तीय वर्ष 2024 में, हमारी कार्यनीतिक पहलों के कारण मजबूत तुलन पत्र एवं गैर-ब्याज आय में उल्लेखनीय सुधार के साथ हमारे प्रयासों को मान्यता मिली.

संवर्धित प्रकटीकरण: तिमाही परिणामों पर चर्चा के दौरान, हमने अपने वित्तीय कार्यनिष्पादन एवं कार्यनीतिक दिशा की व्यापक समझ प्रदान करने के लिए अपने प्रकटीकरण को बढ़ाया है. हमारी वार्षिक रिपोर्ट में विस्तृत वर्णनात्मक विश्लेषण शामिल है, जिससे निवेशकों को हमारे परिचालन एवं योजनाओं के बारे में स्पष्ट जानकारी मिलती है. बैंक द्वारा की गई कार्यनीतिक पहल नियमित रूप से हमारे निवेशकों को बताई जाती हैं जिसमें डिजिटल और एनालिटिक्स-संचालित व्यावसायिक सुधार शामिल हैं.

ईएसजी पहल का प्रकटीकरण: हम पर्यावरण, सामाजिक एवं अभिशासन (ईएसजी) सिद्धांतों के प्रति प्रतिबद्ध हैं. हमारी ईएसजी पहल एवं उपलब्धियों को हमारी वेबसाइट पर प्रमुखता से प्रकट किया गया है, जो संवहनीय एवं जिम्मेदार बैंकिंग के प्रति हमारी प्रतिबद्धता को दर्शाता है. इसमें समावेशी विकास और ग्रामीण विकास के लिए हमारे प्रयासों के साथ-साथ उपांत समुदायों के उत्थान तथा संवहनीय कृषि प्रथाओं को बढ़ावा देने के उद्देश्य से सरकारी पहलों हेतु समर्थन की विस्तृत जानकारी शामिल है.

यूनियन बैंक सोशल फाउंडेशन ट्रस्ट (यूबीएसएफ़टी)

स्थापना और मिशन: यूनियन बैंक सोशल फाउंडेशन ट्रस्ट (यूबीएसएफ़टी) की स्थापना 2 मार्च, 2006 को यूनियन बैंक ऑफ इंडिया की कॉर्पोरेट सामाजिक जिम्मेदारी (सीएसआर) गतिविधियों को पूरा करने के लिए एक समर्पित शाखा के रूप में की गई थी. यूबीएसएफ़टी का प्राथमिक मिशन वंचित समुदायों का उत्थान करना और गरीबों एवं उपांत व्यक्तियों के जीवन स्तर में उल्लेखनीय सुधार करना है. फाउंडेशन का उद्देश्य सार्वजनिक-निजी पहल को बढ़ावा देना और सामाजिक-आर्थिक विकास के लिए उत्प्रेरक के रूप में कार्य करना है. यूबीएसएफ़टी के फोकस क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवा में सुधार, शिक्षा के लिए बुनियादी ढाँचा और साधन प्रदान करना एवं निरंतर तथा संवहनीय कौशल विकास को बढ़ावा देना शामिल है.

अभिशासन संरचना: यूबीएसएफटी का प्रशासनिक ढांचा सुदृढ़ है, बोर्ड का नेतृत्व यूनियन बैंक ऑफ इंडिया के प्रबंध निदेशक और सीईओ करते हैं, और कार्यपालक निदेशक उपाध्यक्ष ट्रस्टी के रूप में कार्य करते हैं. अन्य ट्रस्टियों में बैंक के महाप्रबंधक एवं स्वतंत्र ट्रस्टी शामिल हैं. यूबीएसएफटी बोर्ड यूनियन बैंक की सीएसआर प्राथमिकताओं के अनुरूप कार्यनीतिक दिशा प्रदान करता है और नियमित रूप से गतिविधियों की समीक्षा करता है. यूबीएसएफटी का मुख्य कार्यपालक बोर्ड के निर्देशों के क्रियान्वयन की देखरेख करता है.

यूनियन बैंक ने शीर्ष स्तर पर एक स्टेकहोल्डर्स रिलेशनशिप कमेटी (एसआरसी) भी स्थापित की है, जिसमें निदेशक मंडल के सदस्य शामिल हैं, जो प्रत्येक तिमाही में बैंक एवं यूबीएसएफटी की सीएसआर गतिविधियों की निगरानी तथा मार्गदर्शन करता है. कार्यपालक और गैर-आधिकारिक निदेशकों सहित एमडी और सीईओ इस समिति के प्रमुख हैं.

वित्तीय वर्ष 2024 में सीएसआर पहल

यूनियन बैंक ऑफ इंडिया में, हम अपनी कॉर्पोरेट सामाजिक जिम्मेदारी (सीएसआर) पहलों के प्रति पूरी तरह प्रतिबद्ध हैं, जिसका उद्देश्य विभिन्न परियोजनाओं और कार्यक्रमों के माध्यम से समाज को महत्वपूर्ण रूप से प्रभावित करना है. वित्तीय वर्ष 2024 के दौरान, हमने संवहनीय विकास को बढ़ावा देने और वंचित समुदायों के उत्थान के लिए कई प्रमुख क्षेत्रों पर ध्यान केंद्रित किया.

जीआरआई

413

"

यूनियन बैंक सोशल फाउंडेशन ट्रस्ट वंचित समुदायों के उत्थान एवं सार्वजनिक-निजी पहलों के माध्यम से जीवन स्तर में सुधार के लिए समर्पित है, जिसके लिए वित्तीय वर्ष 2024 में 62 परियोजनाओं/ कार्यक्रमों के लिए ₹34.79 करोड़ मंजूर किए गए हैं.

हमारी सीएसआर गतिविधियों और समाज पर उनके प्रभाव के बारे में अधिक जानें.

जीआरआई

201, 203

जीआरआई

201, 203

> वृक्षारोपण अभियान तथा अपशिष्ट प्रबंधन कार्यक्रमों सहित हमारी संवहनीयता पहल पर्यावरण संरक्षण तथा जागरूकता को बढ़ावा देती है, वित्तीय वर्ष 2024 में विभिन्न क्षेत्रों में 10,000 से अधिक पेड़ लगाए गए हैं.
>
> *जानें कि हम पर्यावरणीय संवहनीयता में कैसे योगदान दे रहे हैं.*

जीआरआई

404

सीएसआर की मुख्य विशेषताएं आंकड़ों में

₹79.33 करोड़

7 परियोजनाएं/ कार्यक्रम अनुमोदित

वित्तीय वर्ष 2023-24 के दौरान यूनियन बैंक ऑफ इंडिया द्वारा सात परियोजनाओं/ कार्यक्रमों में कुल रु.79.33 करोड़ दान का अनुमोदन किया गया.

16,600

वित्तीय वर्ष 24 में 16,600 से अधिक नए स्वयं सहायता समूहों (एसएचजी) को लगभग रु. 404 करोड़ का वित्तपोषण किया गया.

₹34.79 करोड़

62 परियोजनाएं/ कार्यक्रम स्वीकृत

वित्तीय वर्ष 2023-24 के दौरान यूनियन बैंक सोशल फाउंडेशन (यूबीएसएफटी) ने 62 परियोजनाओं/कार्यक्रमों के लिए कुल रु. 34.79 करोड़ का दान मंजूर किया.

22,600

यूनियन नारी शक्तिः वित्तीय वर्ष 24 में 22,600 से अधिक आवेदन मंजूर किए गए, जिनकी राशि रु. 2,555 करोड़ थी.

2.98 लाख

पीएम स्वनिधि योजना के माध्यम से वित्तीय वर्ष 24 में 2.98 लाख से अधिक स्ट्रीट वेंडरों को लगभग रु. 481 करोड़ का वित्तपोषण किया गया.

₹19.02 करोड़

कॉरपोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व (सीएसआर) के अंतर्गत यूनियन बैंक सोशल फाउंडेशन के माध्यम से रु. 19.02 करोड़ का दान वितरित किया गया.

वित्तीय वर्ष 2024 के दौरान, यूनियन बैंक ऑफ इंडिया ने कुल ₹79.33 करोड़ के दान को मंजूरी दी, जिसमें से ₹73.33 करोड़ वितरित किए गए. वर्ष के दौरान बैंक ने यूनियन बैंक सोशल फाउंडेशन ट्रस्ट (यूबीएसएफ़टी) को सामाजिक उत्थान हेतु विभिन्न परियोजनाओं और कार्यक्रमों के लिए ₹62.19 करोड़ दान दिया. यूबीएसएफ़टी ने वर्ष के दौरान 62 परियोजनाओं के लिए ₹34.79 करोड़ के दान को मंजूरी दी, जिसमें से 61 परियोजनाओं के लिए ₹19.02 करोड़ वितरित किए गए.

शिक्षा और कौशल विकास:

गुणवत्तापूर्ण शिक्षा तक पहुंच बढ़ाना: हमने वंचित बच्चों के लिए गुणवत्तापूर्ण शिक्षा तक पहुँच में सुधार के लिए विभिन्न कार्यक्रमों का समर्थन किया. इसमें शैक्षणिक बुनियादी ढांचे और संसाधनों में योगदान शामिल था.

कौशल विकास कार्यक्रम: हमने बेहतर रोजगार अवसरों के लिए आवश्यक कौशल से व्यक्तियों को सशक्त बनाने हेतु कौशल विकास कार्यक्रम आयोजित किए. इसमें व्यावसायिक प्रशिक्षण और महिला सशक्तिकरण के उद्देश्य से की गई पहल भी शामिल थी.

बुनियादी ढांचे में योगदान: शैक्षणिक संस्थानों में बुनियादी ढांचे को बढ़ाने तथा छात्रों के लिए अनुकूल शिक्षण वातावरण उपलब्ध कराने के लिए योगदान दिया गया.

स्वास्थ्य देखभाल और स्वच्छता:

स्वास्थ्य देखभाल भागीदारी: हमने स्वास्थ्य सेवा संबंधी बुनियादी ढांचे के निर्माण सहित स्वास्थ्य सेवा सुविधाएं प्रदान करने के लिए विभिन्न संगठनों के साथ भागीदारी की है. उल्लेखनीय दान में अस्पतालों और स्वास्थ्य सेवा केंद्रों के लिए एम्बुलेंस एवं चिकित्सा उपस्कर शामिल थे.

चिकित्सा उपस्कर दान: महत्वपूर्ण दान में एम्बुलेंस, एक्स-रे मशीन और अन्य चिकित्सा उपस्कर शामिल थे, ताकि वंचित क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाएं बढ़ाई जा सकें.

जीआरआई
403, 413

आजीविका संवर्धन:

आजीविका के अवसरों को बढ़ावा देना: हमने आजीविका के अवसरों एवं उद्यमिता को बढ़ावा देने के लिए पहल की है, मुख्य रूप से महिला स्वयं सहायता समूहों (एसएचजी) पर ध्यान केंद्रित किया है. इन कार्यक्रमों का उद्देश्य समुदायों को सशक्त बनाना और आर्थिक रूप से आत्मनिर्भरता को बढ़ावा देना था.

जीआरआई
203

पर्यावरण संरक्षण:

संवहनीयता पहल: पर्यावरण संवहनीयता में योगदान देने वाली गतिविधियों में वृक्षारोपण अभियान और अपशिष्ट प्रबंधन कार्यक्रम शामिल थे. इन पहलों का उद्देश्य पर्यावरण जागरूकता एवं संरक्षण प्रयासों को बढ़ावा देना था.

जीआरआई
304, 305

ग्रामीण विकास:

ग्रामीण बुनियादी ढांचा परियोजनाएं: हमने ग्रामीण बुनियादी ढांचे के विकास, स्वच्छ जल तक पहुंच प्रदान करने और संवहनीय कृषि पद्धतियों को बढ़ावा देने पर केंद्रित विभिन्न परियोजनाएं कार्यान्वित कीं. इन पहलों का उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों में जीवन की गुणवत्ता में सुधार करना और कृषि क्षेत्र को सहायता प्रदान करना था.

जीआरआई
413

स्वास्थ्य सेवा योगदान

जीआरआई
413

यूनियन बैंक ऑफ इंडिया देश भर में स्वास्थ्य सेवाओं और बुनियादी ढांचे को बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध है. हमने यूनियन बैंक सोशल फाउंडेशन ट्रस्ट (यूबीएसएफ़टी) के माध्यम से विशेष रूप से वंचित क्षेत्रों में सहायता करने के लिए अस्पतालों, स्वास्थ्य सुविधाओं और स्वास्थ्य सेवा परियोजनाओं कई पहल की हैं. वित्तीय वर्ष 2024 के लिए प्रमुख योगदान निम्नानुसार है:

अस्पतालों और स्वास्थ्य देखभाल सुविधाओं के लिए दान:

एम्बुलेंस दान: हमने कई स्वास्थ्य सेवा संस्थानों को कस्टम-निर्मित एम्बुलेंस दान की हैं. उल्लेखनीय दान में से एक गोरखपुर के सिविल कोर्ट अस्पताल और दूसरा चित्रकूट के श्री सद्गुरु सेवा संघ ट्रस्ट को दिया गया है, जो उन्नत चिकित्सा परिवहन और गहन देखभाल क्षमताओं से निर्मित है.

जीआरआई
413

रक्त बैंकों के लिए सहायता: यूबीएसएफटी ने राजकोट में सौराष्ट्र मेडिकल एंड एजुकेशनल चैरिटेबल ट्रस्ट के लाइफ ब्लड सेंटर को महत्वपूर्ण डायग्नोस्टिक उपस्कर दान किए हैं. यह योगदान जरूरतमंद मरीजों को गुणवत्तापूर्ण डायग्नोस्टिक सेवाएं प्रदान करने के ब्लड बैंक के मिशन का समर्थन करता है.

जीआरआई
413

चिकित्सा उपकरण और एम्बुलेंस का प्रावधान:

चिकित्सा उपस्कर दान: हमारे दान में विभिन्न क्षेत्रों, जैसे कि जिला मजिस्ट्रेट, रुद्रप्रयाग, उत्तराखंड और नेताजी सुभाष राष्ट्रीय खेल संस्थान, पटियाला के लिए आवश्यक जीवन समर्थन से सुसज्जित एम्बुलेंस शामिल हैं. इन दानों का उद्देश्य तीर्थयात्रियों, स्थानीय निवासियों और खेल प्रशिक्षुओं की आपातकालीन चिकित्सा आवश्यकताओं को पूरा करना है.

स्वास्थ्य सेवा अवसंरचना सहायता: हमने अरुणाचल प्रदेश के पासीघाट के पूर्वी सियांग जिले के बोरगुली में एक नए अत्याधुनिक प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र (पीएचसी) के निर्माण के लिए ₹3 करोड़ का योगदान दिया. इस परियोजना का उद्देश्य ग्रामीणों और आस-पास के क्षेत्रों को उन्नत चिकित्सा सुविधाएँ प्रदान करना है.

जीआरआई
413

वंचित क्षेत्रों में स्वास्थ्य देखभाल पहल के लिए समर्थन:

संगठनों के साथ साझेदारी: हमने स्वास्थ्य सेवा सुविधाएं और चिकित्सा शिविर प्रदान करने, सामान्य स्वास्थ्य और स्वच्छता को बढ़ावा देने के लिए विभिन्न संगठनों के साथ सहयोग किया है. इन साझेदारियों का उद्देश्य दूरदराज और वंचित क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाओं का विस्तार करना है.

स्वच्छता और स्वास्थ्य देखभाल परियोजनाएं: यूबीएसएफटी ने स्वच्छता बुनियादी ढांचे में सुधार करने वाली परियोजनाओं को शुरू करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है, जिसका सीधा प्रभाव सामुदायिक स्वास्थ्य और स्वच्छता पर पड़ता है.

शिक्षा विकास

जीआरआई
404

यूनियन बैंक ऑफ इंडिया में, हम विशेष रूप से वंचित क्षेत्रों में शैक्षणिक अवसरों एवं बुनियादी ढांचे को बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध हैं. वित्तीय वर्ष 2023-24 के दौरान हमारे प्रयासों ने शैक्षणिक विकास को बढ़ावा देने के लिए विभिन्न पहलों पर ध्यान केंद्रित किया.

जीआरआई
404

स्कूलों और शैक्षणिक संस्थानों को योगदान:

बुनियादी ढांचे में योगदान: हमने शैक्षणिक संस्थानों को महत्वपूर्ण योगदान दिया है, छात्रों के लिए बेहतर शिक्षण वातावरण प्रदान करने हेतु उनके बुनियादी ढांचे में सुधार किया है. इसमें कर्नाटक परीक्षा प्राधिकरण (केईए), बेंगलूरु को 10 ऑल-इन-वन कंप्यूटर का प्रावधान और विभिन्न स्कूलों को एयर कंडीशनर और वाटर प्यूरीफायर जैसी आधुनिक सुविधाओं का दान शामिल है.

जीआरआई
403, 413

ग्रामीण क्षेत्रों के सरकारी स्कूलों में शौचालयों का निर्माण:

स्वच्छता सुविधाएँ: शैक्षणिक परिवेश में स्वच्छता के महत्व को समझते हुए, हमने ग्रामीण क्षेत्रों के सरकारी स्कूलों में शौचालयों का निर्माण किया है. इस पहल से स्वच्छता में सुधार होता है और छात्रों, विशेषकर लड़कियों के बीच उच्च उपस्थिति दर को बढ़ावा मिलता है.

जीआरआई
404

शैक्षणिक सुविधाओं के लिए आधुनिक बुनियादी ढांचे का प्रावधान:

शैक्षणिक अवसंरचना: हमने शैक्षणिक सुविधाओं के लिए आधुनिक अवसंरचना प्रदान की है, जिससे यह सुनिश्चित होता है कि छात्र यथासंभव सर्वोत्तम संसाधनों तक पहुँच प्राप्त कर सकें. इसमें श्री कृष्णदेवराय विश्वविद्यालय, अनंतपुर को 2 नई 8-सीटर इलेक्ट्रिक शटल/गोल्फ कार्ट का दान शामिल है, ताकि परिसर के भीतर छात्रों को परिवहन की सुविधा मिल सके.

कौशल विकास

ग्रामीण स्वरोजगार प्रशिक्षण संस्थानों (आरसेटी) के माध्यम से प्रशिक्षण कार्यक्रम:

व्यापक प्रशिक्षण: यथा 31 मार्च, 2024, 30 आरसेटी में 3,48,000 उम्मीदवारों को प्रशिक्षित किया गया है, जिसमें 73% का सेटलमेंट अनुपात है, जो स्वरोजगार और आर्थिक स्वतंत्रता को बढ़ावा देने में इन कार्यक्रमों की प्रभावशीलता को दर्शाता है. इन प्रशिक्षण कार्यक्रमों में सिलाई, लघु कारोबार प्रबंधन और अन्य व्यावसायिक व्यापार सहित विभिन्न कौशल शामिल हैं.

जीआरआई
404

प्रमाणपत्रों और साधनों का वितरण:

स्नातकों को सशक्त बनाना: प्रशिक्षण कार्यक्रमों को सफलतापूर्वक पूरा करने पर, हम स्नातकों को प्रमाणपत्र और सिलाई मशीन जैसे आवश्यक उपकरण वितरित करते हैं. यह सहायता उन्हें अपनी उद्यमशीलता की यात्रा शुरू करने में मदद करती है और उनकी आर्थिक स्वतंत्रता में योगदान देती है. उदाहरण के लिए, आरसेटी तिरुपति में सिलाई बैच के सफल प्रशिक्षुओं को सिलाई मशीनें वितरित की गईं, जो सक्रिय रूप से महिला सशक्तिकरण और वित्तीय स्वतंत्रता को बढ़ावा देती हैं.

जीआरआई
404

महिला सशक्तिकरण को बढ़ावा देना:

केंद्रित कार्यक्रम: हमारी कौशल विकास पहलों का महिला सशक्तिकरण पर विशेष ध्यान है. हम महिलाओं में आत्मनिर्भरता और आर्थिक स्वतंत्रता को बढ़ावा देने के लिए विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित करते हैं. महत्वपूर्ण कार्यक्रमों में आरसेटी वाराणसी में महिला सिलाई प्रशिक्षण कार्यक्रम और विभिन्न आरसेटी में इसी तरह की अन्य पहल शामिल हैं, जहाँ बड़ी संख्या में महिलाओं को प्रशिक्षित किया गया है और उन्हें अपना स्वयं का उद्यम शुरू करने हेतु सहायता प्रदान की गई है.

जीआरआई
405

"

शिक्षा एवं कौशल विकास में हमारे योगदान का उद्देश्य बेहतर शिक्षण वातावरण प्रदान करना और व्यक्तियों को आवश्यक कौशल से सशक्त बनाना है, जिसके तहत हमने मार्च, 2024 तक 30 ग्रामीण स्वरोजगार प्रशिक्षण संस्थानों (आरसेटी) में 3,48,000 उम्मीदवारों को प्रशिक्षित किया है.

शिक्षा एवं कौशल विकास को बढ़ाने के लिए हमारी पहलों के बारे में जानें.

संबंध और सामाजिक पूंजी

"

हम उद्योग-विशिष्ट समाधान प्रदान करने के लिए समर्पित हैं जो यूनिक्यू चुनौतियों का समाधान करते हैं और संवहनीय विकास को बढ़ावा देते हैं. हमारा कार्यनीतिक फोकस यह सुनिश्चित करता है कि हम जिस भी क्षेत्र में कार्य करते हैं, उसे हमारी विशेषज्ञता, नवाचार एवं उत्कृष्टता के प्रति प्रतिबद्धता से लाभ मिले.

"

हम अपने खुदरा नेटवर्क में सौर ऊर्जा समाधान तैनात करके संवहनीयता के प्रति प्रतिबद्ध हैं. यह पहल हमारे ग्राहकों के कार्बन फूटप्रिंट को कम करती है, नवीकरणीय ऊर्जा को बढ़ावा देती है और हरित भविष्य के प्रति हमारी प्रतिबद्धता को दर्शाती है.